विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र कार्यशाला (शैक्षणिक सत्र 2025–26)

विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025–26 में कक्षा 10 के विज्ञान विषय के विद्यार्थियों हेतु प्रतिदर्श प्रश्नपत्र अभ्यास पुस्तिका "मेधा" के निर्माण के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन दो चरणों में किया गया है।

प्रथम चरण

कार्यशाला का प्रथम चरण दिनांक 25–11–2025 से 27–11–2025 तक आयोजित किया गया। कार्यशाला का लक्ष्य समूह 30 शिक्षक निर्धारित किया गया था, जिसमें जनपद पौड़ी के 25 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

इस चरण में राज्य स्तर पर अध्ययनरत कक्षा 10 के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रतिदर्श प्रश्नपत्र अभ्यास पुस्तिका "मेधा" का प्रारूप तैयार किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हाई स्कूल स्तर की बोर्ड परीक्षा के लिए विद्यार्थियों की विषयगत पूर्व तैयारी सुनिश्चित करना है। इसके अंतर्गत विज्ञान विषय के आदर्श प्रश्नपत्रों का उत्तर कुंजी सहित संकलन किया गया, जिससे विद्यार्थी परीक्षा पूर्व व्यवस्थित एवं रुचिपूर्ण अभ्यास कर सकें तथा उनकी विषयगत समझ और परीक्षा प्रदर्शन में अपेक्षित सुधार हो सके।

द्वितीय चरण

कार्यशाला का द्वितीय चरण दिनांक 18–12–2025 से 19–12–2025 तक आयोजित किया गया। इस चरण में 15 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

द्वितीय चरण में प्रथम चरण में तैयार किए गए प्रतिदर्श प्रश्नपत्रों का गहन प्रूफ रीडिंग कार्य संपन्न किया गया। साथ ही सभी प्रश्नपत्रों को आदर्श उत्तर एवं समाधान सहित अंतिम रूप प्रदान किया गया, जिससे अभ्यास पुस्तिका की गुणवत्ता, शुद्धता एवं उपयोगिता सुनिश्चित की जा सके।

निष्कर्ष

उक्त दोनों चरणों के सफल संचालन के उपरांत राज्य स्तर पर कक्षा 10 में अध्ययनरत विज्ञान विषय के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रतिदर्श प्रश्नपत्र अभ्यास पुस्तिका – मेधा का सफलतापूर्वक निर्माण किया गया। यह पुस्तिका विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की प्रभावी तैयारी, स्व–अध्ययन तथा विषय की अवधारणाओं को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही यह शिक्षकों के लिए भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षण–अधिगम एवं परीक्षा तैयारी का एक उपयोगी संदर्भ संसाधन सिद्ध होगी।

कार्यक्रम समन्वयक–शिवानी रावत

डीआरजी विज्ञान कार्यशाला (शैक्षणिक सत्र 2025–26) डीआरजी विज्ञान कार्यशाला का आयोजन शैक्षणिक सत्र 2025–26 में दिनांक 06–11–2025 से 08–11–2025 तक सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। कार्यशाला में निर्धारित लक्ष्य समूह के सापेक्ष 24 शिक्षकों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागी शिक्षकों को रोबोटिक्स किट के प्रभावी संचालन का प्रशिक्षण प्रदान करना तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के माध्यम से रोबोटिक्स के उपयोग से परिचित कराना था। इसके अतिरिक्त शिक्षकों को पिक्टोब्लॉक्स (PictoBlocks) ऐप का उपयोग करते हुए कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं अभिमुखीकरण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान इस बात पर विशेष बल दिया गया कि मिडिल स्तर के विज्ञान पाठ्यक्रम के साथ कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग का समन्वय स्थापित करते हुए कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी, नवाचारी एवं गतिविधि–आधारित बनाया जाए। शिक्षकों को विभिन्न विज्ञान अवधारणाओं के साथ रोबोटिक्स एवं कोडिंग के एकीकरण के व्यावहारिक उदाहरण भी प्रदान किए गए।

संपूर्ण प्रशिक्षण हैंड्स–ऑन गतिविधि पर आधारित रहा, जिससे प्रतिभागी शिक्षकों को स्वयं अभ्यास करते हुए सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक एवं रुचिपूर्वक प्रशिक्षण में सहभागिता की तथा अपने विद्यालयों में पाठ योजनाओं में कोडिंग एवं रोबोटिक्स को सम्मिलित कर गतिविधि–आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने का संकल्प व्यक्त किया।

निष्कर्ष

यह कार्यशाला शिक्षकों की तकनीकी दक्षता, नवाचारपूर्ण शिक्षण कौशल तथा विज्ञान शिक्षण में AI रोबोटिक्स एवं कोडिंग के प्रभावी एकीकरण की दिशा में अत्यंत उपयोगी एवं सफल सिद्ध हुई। प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल के माध्यम से मिडिल स्तर के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान शिक्षण को अधिक रोचक, प्रयोगात्मक एवं भविष्य उन्मुख बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

कार्यक्रम समन्वयक–शिवानी रावत